नाम .....

अनुक्रमांक .....

पूर्वानुमानित परीक्षा 2022–23

कक्षा – दशम

विषय : हिन्दी

निर्धारित समय : 3:15 घण्टे | पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

Note : First 15 minutes are allotted for the candidates to read the questions papers.

1. कृपया जांच लीजिए कि प्रश्न पत्र में प्रश्नों की कुल संख्या 28 तथा मुद्रित पृष्ठों की संख्या 05 है।
2. प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित है । खण्ड – अ, खण्ड – ब ।
3. खण्ड अ में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिये गये है ।
4. खण्ड – ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिये गये है । प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित है ।
5. कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखिए।

खण्ड – अ

प्र. 1 'संस्कृति के चार अध्याय' के लेखक है – 1

(क) जयशंकर प्रसाद (ख) धर्मवीर भारती

(ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (घ) रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्र. 2 'प्रेम की वेदी की विद्या है – 1

(क) कहानी (ख) रिपोर्ताज

(ग) नाटक (घ) निबन्ध

प्र. 3 गद्य को कवियों की ..... कहा गया है – 1

(क) कसौटी (ख) भंगिमा

(ग) ताल (घ) ये सभी

प्र. 4 महादेवी वर्मा द्वारा सम्पादित पत्रिका है – 1

(क) इन्दु (ख) कर्मवीर

(ग) चाँद (घ) मर्यादा

प्र. 5 हिन्दी की प्रथम कहानी मानी जाती है – 1

(क) मंत्र (ख) उसने कहा था

(ग) ममता (घ) इन्दुमती

प्र. 6 'श्रीधर पाठक कवि' है – 1

(क) भारतेन्दु युग (ख) द्विवेदी युग

(ग) छायावादी युग (घ) प्रगतिवादी युग

प्र. 7 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार रीतिकाल की समय–सीमा है – 1

(क) 993 ई0 – 1318 (ख) 1318 – 1643

(ग) 1643 – 1843 (घ) 1843 – अब तक

प्र. 8 'कवि सम्राट' कहा जाता है – 1

(क) अयोध्या सिंह 'हरिऔध' (ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) निराला (घ) पंत

प्र. 9 'प्रयोगवाद' के जनक है – 1

(क) दिनकर (ख) अज्ञेय

(ग) प्रसाद (घ) पंत

प्र. 10 'गागर में सागर' भरने वाले कवि हैं – 1

(क) नरोत्तमदास (ख) रहीमदास

(ग) रसखान (घ) बिहारी

प्र. 11 'हँसि–हँसि भाजै देख दूलह, दिगम्बर कौ' में कौन सा रस है – 1

(क) शान्त (ख) करूण

(ग) हास्य (घ) वीर

प्र. 12 'रोला' एक छन्द है – 1

(क) वर्णिक (ख) मुक्तक

(ग) मात्रिक (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र. 13 'चरन कमल बन्दौ हरिराई' में अलंकार है – 1

(क) उपमा (ख) रूपक

(ग) उत्प्रेक्षा (घ) भ्रान्तिमान

प्र. 14 'माता–पिता' में समास है – 1

(क) तत्पुरूष (ख) द्वन्द्व

(ग) द्विगु (घ) कर्मधाराय

1

प्र. 15 'उजाला' का तत्सम है –

(क) रोशनी (ख) उजियारा

(ग) उज्ज्वल (घ) प्रकाश

1

प्र. 16 'परोपकार' शब्द में उपसर्ग है –

(क) पर (ख) परो

(ग) परोप (घ) परा

1

प्र. 17 'इन्द्र' के पर्यायवाची हैं –

(क) नारायण, भगवान, ईश्वर (ख) भूपति, नृप, नरेश

(ग) दानव, दनुज, दैत्य (घ) देवराज, सुरेन्द्र, सुरेश

1

प्र. 18 इत्यादि मे सन्धि है –

(क) दीर्घ (ख) गुण

(ग) यण (घ) वृद्धि

1

प्र. 19 'नदीम' शब्द में विभक्ति एवं वचन है –

(क) तृतीय, द्विवचन (ख) प्रथमा, एकवचन

(ग) पञ्चमी, एमवचन (घ) द्वितीया, एकवचन

1

प्र. 20 'हसामि' में लकार, पुरूष एवं वचन है –

(क) लट् ल., प्र.पु., एकवचन (ख) लड् ल., म.पु., एकवचन

(ग) लट् ल., उ.पु., एकवचन (घ) लोट् ल., म.पु., बहुवचन

खण्ड – ब

प्र. 21 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (2x3=6)

हमारी सारी संस्कृति का मूलाधार इसी अहिंसा तत्व पर स्थापित रहा है । जहाँ–जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तो का वर्णन आया है, अहिंसा को ही उसमें मुख्य स्थान दिया जाता है ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'अहिंसा' को किसमे मुख्य स्थान दिया जाता है ?

अथवा

बहुत से लोग ऐसे होते है, जिनके घडी भर के साथ से ही बुद्धि भ्रष्ट

हो जाती है क्योंकि उतने ही बीच में ऐसी – ऐसी बातें कही जाती है जो कानों में न पडनी चाहिए, चित्त पर ऐसे प्रभाव पडते है, जिनसे उनकी पवित्रता का नाश हो जाता है । बुराई अटल भाव धारण करके बैठती है । बुरी बातें हमारी धारणा में बहुत दिनों तक टिकती हैं ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) पवित्रता का नाश किससे होता है ?

प्र. 22 निम्नलिखित में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए तथा काव्यगत सौन्दर्य भी लिखिए – (2+3+2=7)

(क) कान्ह भये बस बाँसुरी के, अब कौन सखी हमको चहिहैं ।
निसद्यौस रहे संग–साथ लगी, यह सौतिन तापन क्यों सहिहै ।।
जिन मोहि लियौ मनमोहन कौ, रसखानि सदा हमकौ दहिहैं ।
मिलि आवौ सबै सखी भाग चली, अबतौ ब्रज में बाँसुरी सहिहै ।।

(ख) चाह नहीं मै सुरवाला के गहनो में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी माला में विंध प्यारी को ललचाचाऊँ।
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं देवों के सिर पर चढूँ भाग्य पर इठलाऊँ ।
मुझे तोड़ लेना बनमाली, उस पथ पर तुम देना फेंक,
मातृभूमि पर शीष चढ़ाने जिस पथ पर जाये वीर अनेक ।।

प्र. 23 निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए – (2+3=5)

अस्माकं संस्कृति सदा गतिशीला वर्तते । मानवजीवनं संस्कर्तुम् एषा यथा समयं नवां नवां विचारधारं स्वीकरोति, नवां शक्ति च प्राप्नोति । अत्र दुराग्रह न अस्ति, यत् युक्ति युक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्ष गृहीतं भवति।

अथवा

माता गुरूतरा भूमेः खात् पितोच्चतररतथा ।
मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात् ।।

प्र. 24 (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न–पत्र में न आया हो । (2)

(ख) निम्नलिखित में से किन्ही दो के उत्तर संस्कृत में लिखिए । (4)

(i) वाराणसी कस्मिन राज्यें अस्ति ?

(ii) आरक्षकाः चन्द्रशेखरं कस्य सम्मुखं आनयन्ति ?

(iii) अलक्षेन्द्रः कः आसीत् ?

(iv) ज्ञानं कुत्र सम्भवति ?

प्र. 25 (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी लेखक का जीवन परिचय एवं रचनाएं लिखिए – (4)

(i) डॉ भगवतशरण उपाध्याय (ii) रामचन्द्र शुक्ल

(iii) डॉ राजेन्द्र प्रसाद (iv) जयशंकर प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन–परिचय एवं रचनाएं लिखिए – (4)

(i) सूरदास (ii) बिहारी

(iii) महादेवी वर्मा (iv) सुभद्रा कुमारी चौहान

प्र. 26 किन्ही तीन वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए – (6)

(i) क्या तुम दोनो विद्यालय गये थे ?

(ii) राम आम खाता है ।

(iii) वे खेलते है ।

(iv) श्यामा नाचती है ।

(v) राधा गाती है ।

(vi) तुम पढ़ते हो ।

प्र. 27 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए – (7)

(i) भारत की युवा शक्ति

(ii) विज्ञान वरदान या अभिशाप

(iii) नारी शक्ति

प्र. 28 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए । (5)

अथवा

स्वपठित खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।